

## रिटायरमेंट बाद की आय करें सुनिश्चित

रिटायरमेंट के बाद आपकी सबसे बड़ी चिंता क्या होती है? एकदम सही, नियमित आय। यदि पेंशन की सुविधा नहीं है तो रिटायरमेंट से पहले नियमित आमदनी की व्यवस्था करना आपके लिए और भी जरूरी हो जाता है।



**समझ-बूझ**

अहम है।

**स्वास्थ्य प्रभाव का रखिए ध्यान :** जब आपकी उम्र बढ़ती है तो आपका स्वास्थ्य भी चिंता बढ़ाता है। इसलिए रिटायरमेंट के बाद आपकी आय आपकी स्वास्थ्य संबंधी आपात जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए,

ताकि आपका स्वास्थ्य आपके जीवन में कभी नजरंदाज न हो सके।

**अलग-अलग आय के स्रोत :** जीवन बीमा आपकी आय का एकमात्र साधन नहीं होना चाहिए। अन्य निवेश साधनों जैसे एफडी, पीपीएफ, एनएससी इत्यादि में भी निवेश पर विचार कीजिए। इससे आपका मूल निवेश सुरक्षित रहता है जो आपको रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन जीने में मदद करता है।

**ज्यादा वर्षों के लिए योजना बनाइए :** चिकित्सा सुविधाएं बेहतर होने के साथ-साथ जैसे-जैसे जीवन स्तर की गुणवत्ता बढ़ेगी, उस स्थिति में आपको अपनी अनुमानित आयु में पांच-सात साल और जोड़कर योजना बनानी चाहिए।

आजकल अधिकांश जीवन बीमा पॉलिसी में रिटायरमेंट आय शामिल होती है। जीवन बीमा में निवेश करने का एक और फायदा यह है कि बीमित धनराशि को समय के साथ बढ़ाया जा सकता है। इस तरह फिलहाल आप अपने वेतन के हिसाब से कम बीमा प्रीमियम देकर पॉलिसी चला सकते हैं। पदोन्नति तथा आय के नए स्रोत से आमदनी बढ़ने के साथ-साथ आप अधिक बीमा प्रीमियम देकर अपना बीमा कवर बढ़ा सकते हैं। इस तरह रिटायरमेंट के बाद बेहतर आमदनी सुनिश्चित कर सकते हैं।

### रिटायरमेंट आय की पांच सूत्री योजना

**अपनी जीवन शैली को समझिए :** जब आप अपनी रिटायरमेंट के बारे में सोचते हैं तो अपनी जीवन शैली के बारे में विचार कीजिए। आप जब रिटायर होंगे तो आपका जीवन किस तरह होगा ?

**अर्थव्यवस्था का मूल्यांकन कीजिए :** महंगाई बढ़ने के साथ रुपये की कीमत का मूल्यांकन करना बेहद जरूरी है जो आप रिटायरमेंट के बाद मौजूदा जीवन शैली को कायम रखने की उम्मीद में बचा रहे हैं। इसलिए रिटायरमेंट योजना में निवेश करने से पहले वास्तविक आशाएं रखना

### सलाह

“मेहनत की कमाई को हमेशा दीर्घकालिक लाभ देने वाली योजनाओं में निवेश करना बेहतर है न कि अल्प अवधि के लाभ के लिए ऊंचे जोखिम वाला निवेश करना।”

अनूप राठ, सीईओ,  
रिलायंस लाइफ इश्योरेंस